संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा - मुख्य परीक्षा

(Download) UPSC सिविल सेवा - मुख्य परीक्षा 2014 सामान्य अध्ययन (GS) Paper-3

Exam Name: UPSC IAS Mains General Studies (Paper-3)

Year: 2014

Exam Date: 17-12-2014

1. सामान्यतः देश कृषि से उद्योग और बाद मंे सेवाओं को अन्तरित होते है पर भारत सीधे ही कृषि से सेवाओं को अन्तरित हो गया है। देश में उद्योग के मुकाबले सेवाओं की विशाल संवृद्धि के क्या कारण है? क्या भारत सशक्त औद्योगिक आधर के बिना एक विकसित देश बन सकता है?

2. ‘‘जिस समय हम भारत के जनसांख्क्रिीय लाभांश को शान से प्रर्दशित करते है, उस समय हम रोज़गार-योग्यता की पतनशील दरों को नजरअंदाज कर देते है।’’ क्या हम ऐसा करने में कोई चूक कर रहे है? भारत को जिन जाॅबों की बेसबरी से दरकार है, वे जाॅब कहां से आएंगे? स्पष्ट कीजिए।

3. एक दृष्टिकोण यह भी है कि अधिनियमों के अधीन स्थापित कृषि उत्पादन समितियों ने भारत में न केवल कृषि के विकास को बाधित किया है, बल्कि खाद्यवस्तु महंगाई का कारण भी रही हैं। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. ‘‘गाँवों में सहकारी समिति को छोड़कर, ऋण संगठन का कोई भी अन्य ढांचा उपयुक्त नही होगा।’’ - अखिल भारतीय ग्रामीण ऋण सर्वेक्षण।

भारत में कृषि वित की पृष्टभूमि में, इस कथन पर चर्चा कीजिए। कृषि वित प्रदान करने वाली वितीय संस्थाओं को किन बाध्यताओं और कसौदियों का सामना करना पड़ता है? ग्रामीण सेवार्थियों तक बेहतर पहुंच और सेवा के लिए प्रौद्योगिकी का किस प्रकार इस्तेमाल किया जा सकता है?

5. भूमि अर्जन, पुनरूद्धार और पुनर्वासान में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 पहली जनवरी, 2014 से प्रभावी हो गया है। इस अधिनियम के लागू होने से कौन-से महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान निकलेगा? भारत में उद्योगीकरण और कृषि पर इसके क्या परिणाम होंगे?

6. पूंजीवाद ने विश्व अर्थव्यवस्था का अभूतपूर्व स्मृद्धि तक दिशा-निर्देशन किया है। परंतु फिर भी, वह अकसर अदूरदर्शिता को प्रोत्साहित करता है तथा धनवानों और निर्धनों के बीच विस्तृत असमताओं को बढ़ावा देता है। इसके प्रकाश में, भारत में समावेशी संवृद्धि को लाने के लिए क्या पूंजीवाद में विश्वास करना और उसको अपना लेना सही होगा? चर्चा कीजिए।

7. समझाइए कि दीर्घकालिक आधारिक संरचना परियोजनाओं में नीजि लोक भागीदारी किस प्रकार अधारणीय देयताओं को भविष्य पर अन्तरित कर सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उत्तरोतर पीढ़ियों की सक्षमताओं के साथ कोई समझौता न हो, क्या व्यवस्थाएं स्थापित की जानी चाहिए?

8. राष्ट्रीय नगरीय परिवहन नीति ‘वाहनों की आवाजाही’ पर बल देती है? इस संबंध में सरकार की विविध रणनीतियों की सफलता की आलोचतात्मक चर्चा कीजिए।
9. रक्षा क्षेत्रक में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को अब उदारीकृत करने की तैयारी है। भारत की रक्षा और अर्थव्यवस्था पर अल्पकाल और दीर्घकाल में इसके क्या प्रभाव अपेक्षित हैं?
10. भारतीय विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान का स्तर गिरता जा रहा है, क्यांेकि विज्ञान में कैरियर उतना आकर्षक नहीं है जितना कि वह कारोबार संव्यवसास, इंजीनियरी या प्रशासन में है, और विश्वविद्यालय उपभोक्ता-उन्मुखी होते जा रहे हैं। समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।
11. क्या ऐन्टीबायोटिकों का अति-उपयोग और डाॅक्टरी नुस्खे के बिना मुक्त उपलब्धता, भारत में औषधि-प्रतिरोधी रोगों के आविर्भाव के अंशदाता हो सकते हैं? अनुवीक्षण और नियंत्रण की क्या क्रियाविधियां उपलब्ध है? इस संबंध में विभिनन मुद्दों पर समालोचनापूर्वक चर्चा कीजिए।
12. वैश्वीकृत संसार में, बौद्धिक अधिकारों का महत्व हो जात है और वे मुकद्दमेबाजी का एक स्रोत हो जाते हैं। काॅपोराइट, पेटेंट और व्यापार गुप्तियों के बीच मोटे तौर पर विभेदन कीजिए।
13. क्या यू.एन.एफ.सी.सी. के अधीन स्थापित कार्बन क्रेडिट और स्वच्छ विकास यांत्रिकत्वों का अनुसरण जारी रखा जाना चाहिए, यद्यपि कार्बन क्रेडिट के मूल्य में भारी गिरावट आयी है? आर्थिक संवृद्धि के लिए भारत की उर्जा आवश्यकताओं की दृष्टि से चर्चा कीजिए।
14. सूखे को उसके स्थानिय विस्तार, कालिक अवधि, मंथर प्रारम्भ और कमजोर वर्गों पर स्थायी प्रभावों की दृष्टि से आपदा के रूप में मान्यता दी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सितंबर 2010 मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत में एल नीनो और ला नीना के संभावित दुष्प्रभावों से निपटने के लिए तैयारी की कार्यविधियों पर चर्चा कीजिए।
15. सरकार द्वारा किसी परियोजना को अनुमति देने से पूर्व, अधिकारिक पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अध्ययन किय जा रहे है। कोयला गर्त-शिखरों पर अवस्थित कोयला-अग्नित तापीय संयंत्रों के पर्यावरणीय प्रभावों पर चर्चा कीजिए।
16. ‘‘बहुधार्मिक व बहुजातिय समाज के रूप में भारत की विविध प्रकृति, पड़ोस में दिख रहे अतिवाद के संघात के प्रति निरापद नहीं है।’’ ऐसे वातावरण के प्रतिकार के लिए अपनाए जाने वाली रणनीतियों के साथ विवेचाना कीजिए।
17. अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन नियम सभी देशों को अपने भूभाग के उपर के आकाशी क्षेत्र पर पूर्ण और अनन्य प्रभुता प्रदान करते हैं। आप ‘आकाशी क्षेत्र’ से क्या समझते है? इस आकाशी क्षेत्र के उपर के आकाश के लिए इन नियमों के क्या निहितार्थ हैं? इससे प्रसूत चुनौतियों पर चर्चा कीजिए और खतरे को नियंत्रण करने के तरीके सुझाए।
18. भारत की सुरक्षा को गैर-कानूनी सीमापार प्रवसन किस प्रकार एक खतरा प्रस्तुत करता है? इसे बढ़ावा देने के कारणों को उजागर करते हुए ऐसे प्रवसन को रोकने की रणनीतियों का वर्णन कीजिए।
19. 2012 में समुद्री डकैती के उच्च-जोखिम क्षेत्रों के लिए देशांतरी अंकन अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन द्वारा अरब सागर में 65° पूर्व से 78° पूर्व तक खिसका दिया गया था। भारत के समुद्री सुरक्षा सरोकारी पर इसका क्या परिणाम है?
20. चीन और पाकिस्तान ने एक आर्थिक गलियारे के विकास के लिए समझौता किया है। यह भारत की सुरक्षा के लिए क्या खतरा प्रस्तुत करता है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।